Anti-India Propaganda on TV and Radio

1010. SHRI KRISHAN LAL SHARMA: Will the Minister of INFORMATION AND BROADCASTING be pleased to state:

(a) whether it is a fact that Pakistan has unleashed a fresh anti-India propaganda on its T. V. and Radio;

(b) whether it is also a fact that there is daily telecast of news on the media regarding violations of Line of Actual Control by India, in order to create a view among Kashmiris against India;

(c) whether it is also a fact that one of the news clipping on Pak T. V. shows that after having conquered the Valley the militants are fighting in Doda district; and

(d) if so, what action has been taken by Government to counter such propaganda?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF INFORMATION AND BROADASTING (SHRI K. P. SINGH DEO): (a) to (d) Pakistan Radio and Television has been indulging in anti India propagnda for many years now in a bid to internationalise the Kashmir issue, and to instigate Kashmiris against India on one or another issue. False and fabricated news items blaming India for firing on the LOC or violation of human rights have likewise been a constant feature in the broadcast|telecast of Pakistan Radio and Television. All India Radio and Doordarshan, through their news bulletins and other programmes, constantly endeavour to present facts in their true perspective.

आकाशवाणी / दूरदर्शन पर मांसाहार के विज्ञापन

1011 **प्रो० विजय कुमार मल्होत्रा :** क्या **सूचना और प्रसारण मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार को जनसाधारण की ओर से आकाशवाणी और दूरदर्शन पर अंडों और मांसाहार के विज्ञापन प्रसारित किए जाने के विरुद्ध शिकायतें प्राप्त हुई हैं; और

(ख) यदि हां, तो क्या शाकाहारियों की भावनाओं को ध्यान में रखते हुए सरकार ऐसे विज्ञापनों पर रोक लगाने का विचार रखती है ?

सूचना और प्रसारण मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री के. पी. सिंह देव) : (क) जी, हां।

(ख) वर्तमान में ऐसा कोई प्रस्ताव नहीं है ।

निर्माताओं को धारावाहिकों का आबंटन

1012. **श्री गोपाल सिंह जी सोलंकी :** क्या **सूचना और प्रसारण मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या दूरदर्शन ने कुछ निर्माताओं को कमीशंड श्रेणी के अन्तर्गत धारावाहिक आबंटित किए हैं ;

(क) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और ऐसे धारावाहिकों के नाम क्या हैं और सरकार द्वारा निर्माताओं को कितनी अग्रिम राशि अदा की गई है ;

(ग) क्या इन धारावाहिकों के निर्माताओं द्वारा अग्रिम राशि के दुरूपयोग के कुछ मामले प्रकाश में आए हैं ;

(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है ;

(ङ) क्या कुछ धारावाहिकों को प्रक्रिया/नियमों का उल्लंघन करके स्वीकृति दी गई है ;

(च) यदि हां, तो क्या ऐसे धारावाहिकों के संबंध में कोई जांच कराई गई है ; और

(छ) यदि हां, तो इसके क्या परिणाम निकले और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं ?